Conference on Digital Transformation of Rural India held at ICFAI University - Feb 25, 2020

the pioneer

RANCHI | WEDNESDAY | FEBRUARY 26, 2020

CONFERENCE AT ICFAI UNIVERSITY

A National Conference on Digital Transformation for Socio-Economic Development of Rural India was held at ICFAI University, Jharkhand campus today. Pradeep Kumar Hazari, Special Secretary, Agriculture, Government of Jharkhand, Bishnu Chandra Parida, Chief Operating Officer, Jharkhand State Livelihood Promotion Society and Abhay Soren, Manager, NABARD were the guests of honour. 32 research papers were presented in 3 technical sessions, which were chaired by Bishnu Chandra Parida, Kaushal Kumar Sinha , former Chief General manager, NABARD and Dr Hari Haran, former General Manager of SAIL-MTI. A poster completion was held, wherein students presented their ideas on the conference theme.

Morning India

www.sanmarglive.com

12 Ranchi, Wednesday
26 February 2020

Conference on 'Digital Transformation of Rural India' held

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A National Conference on Digital Transformation for Socio-Economic Development of Rural India was held at ICFAI University, Jharkhand campus on Tuesday. Pradeep Kumar Hazari, Special Secretary, Agriculture, Government of Jharkhand, Bishnu Chandra Parida, Chief Operating Officer, Jharkhand State Livelihood Promotion Society and Abhay Soren, Manager, NABARD were the guests of honour. 32 research papers were presented in 3 technical sessions, which were chaired by Bishnu Chandra Parida, Kaushal Kumar Sinha, former Chief General manager, NABARD and Dr Hari Haran, former General Manager of SAIL-MTI. A poster completion was held, wherein students presented their ideas on the conference theme.

Welcoming the audience to the function, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said

"Green Revolution, White Revolution, Yellow Revolution and Golden Revolution have helped in increasing the production of food grains, milk, oil seeds, fruits and vegetables. However, they have not helped in big way to increase the farmer's income in a big way, as the basic issues continue to be in agri-management, in areas like storage infrastructure, supply-chain management, market-producer linkages etc. "The need of the hour is Blue Revolution wherein Digital Technology can be leveraged to address the challenges and enable increase in farmer's income.", added Prof Rao.

Addressing the conference, Pradeep Kumar Hazari said, "Digital Technology is a powerful tool for Rural development. However, to make it work, there is need to improve the digital infrastructure. Besides, Digitalization processes need to be customized to suit the local conditions". He also presented the case study of cashless implementation of Mukhya Mantri Krishi Ahirvad Yojana in Jharkahnd, wherein over 17 lakh farmers were benefited through direct Benefit Transfer.

Bishnu Chandra Parida explained the progress made by Jharkhand State in delivery of Government schemes for Rural Development using Digital Platform in areas like Marketing, Geo-tagging of villages, Training, Direct Benefit Transfer etc.

Awards of recognition for best papers were awarded to Jyoti, PhD Scholar and Afsha Khan, student of MBA-II whereas awards for best posters were given to Sovana Samant & Debodyuti Das, Ayushi all Student of MBA-II and Aman student of DIT.

The vote of thanks was proposed by Prof. Arvind Kumar, Registrar of the University

सन्मार्ग
रांची, बुधवार, 26 फरवरी 2020
www.sanmarglive.com

डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण

इक्फाई विश्वविद्यालय में ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन पर सम्मेलन

संवाददाता

रांची : कृषि विभाग के विशेष सचिव प्रदीप कुमार हजारी ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। हालांकि, इसके उपयोग के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करने की जरूरत है। इसके अलावा डिजिटलकरण प्रक्रियाओं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की भी जरूरत है।

उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के कैशलेस कार्यान्वयन का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया। वह ग्रामीण भारत के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने उद्गार व्यक्त कर रहे थे। इसका आयोजन मंगलवार को इक्फाई विश्वविद्यालय दलादली परिसर में किया गया था।

नीली क्रांति समय की जरूरत : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति व स्वर्ण क्रांति ने खाद्यान्न, दूध, तेल बीज, फल व सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, बुनियादी मुद्दे जैसे कृषि-प्रबंधन, भंडारण, बुनियादी ढांचे, आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन, बाजार-उत्पादक लिंकेज आदि के कारण किसान की आय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने में इससे बहुत मदद नहीं मिली। उन्होंने कहा कि आज के समय की जरूरत नीली क्रांति की है। जिससे डिजिटल प्रौद्योगिकी, चुनौतियों का सामना व किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि 17 लाख से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। सम्मेलन में 3 तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये, जिसकी अध्यक्षता सेल, एमटीआई के पूर्व महाप्रबंधक हरिहरन एवं नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक कौशल कुमार सिन्हा ने की। मुख्य परिचालन अधिकारी विष्णु चंद्र परिडा ने झारखंड में ग्रामीण विकास के लिए सरकारी योजनाओं के वितरण में प्रगति का वर्णन किया। सम्मेलन के विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें छात्रों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए ज्योति, पीएचडी स्कॉलर तथा एमबीए द्वितीय की छात्रा अफया खा को पुरस्कृत किया गया। सर्व श्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार एमबीए द्वितीय के छात्र सोवना सामंत व डी दास, आयुषी, डीआईटी के छात्र अमन को दिया गया। अतिथि के रूप में नॉबार्ड के प्रबंधक अभय सोरेन शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने किया।

/झारखंड एक्सप्रेस
रांची एक्सप्रेस
रांची, बुधवार, 26 फरवरी, 2020

इकफाई विश्वविद्यालय में में ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन पर सम्मेलन

नीली क्रांति वर्तमान समय की मांग: प्रो राव

संवाददाता

रांची: ग्रामीण भारत के सामाजिक,आर्थिक विकास के लिये डिजिटल परिवर्तन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मंगलवार को इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के दलादली परिसर में किया गया। इस सम्मेलन में प्रदीप कुमार हजारीए विशेष सचिव, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, विष्णु चंद्र परिड़ा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी और नाबार्ड के प्रबंधक अभय सोरेन सम्मानित अतिथि थे। सम्मेलन में 3 तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किए गएए जिनकी अध्यक्षता सेल, एमटीआई के पूर्व महाप्रबंधक हरि हरन एवं नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक कौशल कुमार सिन्हा ने की। सम्मेलन के विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें छात्रों ने अपने विचार पोस्टर के माध्यम से

प्रस्तुत किया। सम्मेलन में प्रतिभागियो का स्वागत करते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति और स्वर्ण क्रांति ने खाद्यान्न, दूध, तेल बीज, फल और सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, बुनियादी मुद्दे जैसे कृषि-प्रबंधन, भंडारण बुनियादी ढांचे, आपूर्ति,श्रृंखला प्रबंधन, बाजार,उत्पादक लिकिज आदि के कारण किसान की आय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए यह क्रांति मदद नहीं की है। प्रो राव ने कहा की आज की समय की जरूरत नीली क्रांति की है। जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी, चुनौतियों का सामना करने और किसानों की आय बढ़ाने में सक्षम हो सकती है। सम्मेलन को संबोधित करते हुये प्रदीप कुमार हजारी ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। हालांकि इसे काम एवं प्रयोग करने के लिये डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करने की आवश्यकता है। इसके अलावा डिजिटलकरण प्रक्रियाओं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के कैशलेस कार्यान्वयन के मामले का अध्ययन भी प्रस्तुत किया।

जिसमें 17 लाख से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। बिष्णु चंद्र परिंधि ने झारखंड राज्य द्वारा ग्रामीण विकास के लिए सरकारी योजनाओं के वितरण में प्रगति का वर्णन किया। जिसमें मार्केटिंग, भू-टैगिंग गांवों का प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया। सर्वश्रेष्ठ पत्रों के लिए मान्यता के पुरस्कारों में ज्योति, पीएचडी स्कालर तथा एमबीए द्वितीय की छात्रा अफशा खान को प्रदान किया गया। जबकि सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार एमबीए द्वितीय के स्टूडेंट्स सोवना सामंत एवं देवयूटी दासए सुश्री आयुषीए तथा डीआईटी के छात्र अमन को दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने किया

प्रभात खबर
रांची, बुधवार
26.02.2020

ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन पर हुआ सम्मेलन

रांची. इक्फाइ विवि झारखंड में मंगलवार को ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया. कृषि विभाग के विशेष सचिव प्रदीप कुमार हजारी ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है. इसे प्रयोग करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करने की आवश्यकता है. उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के कैशलेस कार्यान्वयन के मामले पर अध्ययन भी प्रस्तुत किया. झारखंड राज्य आजीविका संवर्द्धन सोसाइटी के मुख्य परिचालन अधिकारी विष्णु चंद्र परिड़ा ने झारखंड राज्य द्वारा ग्रामीण विकास के लिए सरकारी योजनाओं के वितरण में प्रगति का वर्णन किया. इससे पूर्व विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति और स्वर्ण क्रांति ने खाद्यान्न, दूध, तेल बीज, फल और सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद की. आज की जरूरत नीली क्रांति की है. सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये. तकनीकी सत्र की अध्यक्षता एमटीआइ के पूर्व महाप्रबंधक हरि हरन एवं नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक कौशल कुमार सिन्हा ने की. मौके पर नाबार्ड के प्रबंधक अभय सोरेन भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. सर्वश्रेष्ठ पत्र के लिए शोधार्थी ज्योति तथा एमबीए की छात्रा अफशा खान को अवार्ड दिया गया. सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार एमबीए के छात्र सोवना सामंत, देव्यूटू दास, आयुषी तथा डीआइटी के छात्र अमन को दिया गया.

ग्रामीण विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी एक शक्तिशाली उपकरण : प्रदीप हजारी

आज के समय की जरूरत है नीली क्रांति की : प्रो. राव

इक्फाई विवि में ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रांची। ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आज इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के दलादली परिसर में किया गया। इस सम्मेलन में प्रदीप कुमार हजारी, विशेष सचिव, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, बिष्णु चंद्र परिड़ा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी और नाबार्ड के प्रबंधक अभय सोर ने सम्मानित अतिथि थे। सम्मेलन में 3 तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनकी अध्यक्षता सेल, एमटीआई के पूर्व महाप्रबंधक हरि हरन एवं नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक कौशल कुमार सिन्हा ने की। सम्मेलन के विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने अपने विचार पोस्टर से प्रस्तुत किए। सम्मेलन में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति और स्वर्ण क्रांति ने खाद्यान्न, दूध, तेल बीज, फल और सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, बुनियादी मुद्दे जैसे कृषि-प्रबंधन, भंडारण बुनियादी ढांचे, आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन, बाजार-उत्पादक लिंकेज आदि के कारण किसान की आय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए यह क्रांति मदद नहीं की है। प्रो. राव ने कहा, की आज की समय की जरूरत नीली क्रांति की है, जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी, चुनौतियों का सामना करने और किसानों की आय बढ़ाने में सक्षम हो सकती है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रदीप कुमार हजारी ने कहा, 'डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। हालांकि, इसे काम एवं प्रयोग करने के लिए, डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करने की आवश्यकता है, इसके अलावा, डिजिटलकरण प्रक्रियाओं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के कैशलेस कार्यान्वयन के मामले का अध्ययन भी प्रस्तुत किया, जिसमें 17 लाख से अधिक किसानों को 'प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण' के माध्यम से लाभान्वित किया गया है।

बिष्णु चंद्र परिधि ने झारखंड राज्य द्वारा ग्रामीण विकास के लिए सरकारी योजनाओं के वितरण में प्रगति का वर्णन किया, जिसमें मार्केटिंग, भू-टैगिंग गांवों का प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया। सर्वश्रेष्ठ पत्रों के लिए मान्यता के पुरस्कारों में ज्योति, पीएचडी स्कालर तथा एमबीए-द्वितीय की छात्रा अफशा खान को प्रदान किया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार एमबीए-द्वितीय के स्टूडेंट्स सोवना सामंत एवं देबयूटी दास, आयुषी, तथा डीआईटी के छात्र अमन को दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो.अरविंद कुमार ने किया